

आभा मरुतुधे

ARAB ARCHIVES

3034

पविशकारुल

१८८ उर्जनित्यपूजा

आभा मरुतुवे

महाराष्ट्र

3034

परिशुकारुत्त

१८८

उर्द्धनित्यपूजा

१ॐ नमः श्रीगणेशाय सर्वसंपत्सु दायिनि ॥ गलतभा
यसिद्धिदायुः पुत्रवत्सलतनूनमः ॥ स्नाननमः ॥ चन्दः
ननमः ॥ श्रुतगननमः ॥ सिद्धननमः ॥ पुष्पनमः ॥ श्र
वमन ॥ पुत्रनमस्कानः ॥ श्रुतपाशासनायनमः ॥ ज

लपाशासनायनमः ॥ वलिपाशासनायनमः ॥ श्रुता
सनायनमः ॥ न्यासः ॥ जलपाशायनमः ॥ नाखतय ॥
गुयांजलिः ॥ त्रैलोक्योपायकां प्रजयामिनमः ॥ ३ ॥ फणं
श्रुतपाशायनमः ॥ नाखतय ॥ त्रिकूटमूढानवाह ॥ त्रै
लोक्योपायकां प्रजयामिनमः ॥ गुयांजलिः ॥ त्रैलोक्योपाय

५

श्रीगणेशाय नमः

कांपूजयामि॥३॥षडं॥आचारुनादियानिमूडा॥रुत
धुद्रिः॥वेँकौसोसौँकौवेँ॥आत्मपूजा॥वेँवन्दनंनमः॥
कौँरुतनंनमः॥सौँसिन्दुनंनमः॥वीनरुस्मविलपनं
नमः॥वेँकौसौँपूष्यंनमः॥वलिधियावसलीयीस
कि॥गलतान॥ॐदमावाहयिष्या॥तिदवपूजा॥॥

नरासनायनमः॥काँकेगुपातायनमः॥वलिंग
द्र२स्वाहा॥मयूनासनायनमः॥वाँवदुकनोथा
यनमः॥वलिः॥मूषासनायनमः॥ग्लैकैलगल
व्यायनमः॥वलिः॥सुलायीसकि॥गलतान॥॥
आक्षत्रगक्रासुनस्थानमः॥पंचपनासनरथ

दधुगर्जनीगजमूडा२गर्ज

नमः॥ नमः प्रसास नमः॥ दिव्यं नमः॥ नमः
वाहन॥ महापद्मव नमः॥ नमः॥ नमः॥
अर्घानखगुल्फाय॥ पादं नमः॥ अर्घनमः॥ स्नानं
अलिस्नानं॥ वन्दनं॥ नमः॥ मृष्यं॥ नमः॥
नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥

३॥ थवकं दयां अलिः॥ नमः॥ सलगीसथवकं॥ वलिः॥ २
तर्प्यत सिद्धिलक्ष्मीं गुणं अलिः॥ वलिः॥ नमः॥ वलिः॥ वलिः॥
मृडयकं॥ नाखकिं॥ नमः॥ धूपानमः॥ दीपारं॥ नमः॥
दं वज्रपः॥ नमः॥ नमः॥ सिद्धिलक्ष्मीं अमः॥ मलं॥ नमः॥
गुं॥ स्नानं॥ नमः॥ वलिः॥ नमः॥ विसं॥ नमः॥
नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥

ASHA ARCHIVES 3034

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is written on a piece of aged, brownish paper with significant damage, including large tears and missing sections. The script is dark and appears to be a mix of formal and informal writing. The text is arranged in several lines, with some characters being larger and more prominent than others, possibly indicating emphasis or specific words. The overall appearance is that of an old, well-used document.

